हिन्दी दैनिक

RNI-BIHHIN/2012/43368

नवशक्ति

www.navshaktinews.in

navshakti news paper patna

वर्ष : 14, अंक : 11 | पटना, बुधवार, 26 फरवरी, 2025 | पृष्ठ, : 8 मूल्य : दो रुपये

पटना मेडिकल कॉलेज बिहार की अमूल्य धरोहरों में से एक है : राष्ट्रपति

पटना, (नवशक्ति)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने बिहार के पटना में पटना मेडिकल कॉलेज के शताब्दी समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि पटना मेडिकल कॉलेज बिहार की अमूल्य धरोहरों में से एक है। इस संस्थान का पुरातनता को संरक्षित करने और आधुनिकता की ओर निरंतर अग्रसर होने का गौरवशाली इतिहास रहा है। पीएमसीएच एशिया के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में से एक था। इस संस्थान के पूर्व छात्रों ने अपनी प्रतिभा, सेवा और समर्पण के बल पर देश-विदेश में अपना और पीएमसीएच का नाम रोशन किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि इलाज के लिए दूसरे शहर या राज्य में जाना कई तरह से प्रभावित करता है, जैसे इलाज में देरी, भोजन, आवास और रोजगार की समस्या। इससे बड़े शहरों के चिकित्सा संस्थानों पर भी बोझ बढ़ता है। देश भर में अच्छे चिकित्सा संस्थानों का विकेंद्रीकरण इन सभी समस्याओं को हल करने में मददगार साबित होगा। चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई और इंदौर जैसे शहर विशेष उपचार के केंद्र के रूप में विकसित हुए हैं। बिहार को भी ऐसे कई केंद्र विकसित करने चाहिए। इससे न केवल बिहार के लोगों को अच्छी चिकित्सा सुविधा मिलेगी, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। पीएमसीएच और इसके पूर्व छात्र अपने अनुभव से इस प्रयास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि यह तकनीक का युग है। चिकित्सा क्षेत्र में भी तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स जैसी तकनीकें चिकित्सा प्रक्रिया को सरल और सटीक बना रही हैं। उन्होंने पीएमसीएच के सभी हितधारकों से नवीनतम तकनीकों को अपनाने के लिए हमेशा तैयार रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे न केवल इलाज आसान होगा बल्कि डॉक्टरों का ज्ञान और दक्षता भी बढ़ेगी। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे डॉक्टर शोधकर्ता, चिकित्सक, शिक्षक और परामर्शदाता भी हैं। इन सभी भूमिकाओं में वे लोगों और समाज की सेवा करते हैं और राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हैं। उन्होंने डॉक्टर्स से लोगों को रक्तदान और अंगदान के महत्व के बारे में जागरूक करने का आग्रह किया।

उन्नाव में सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के बांगरमऊ इलाके में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हुई एक सड़क दुर्घटना में दो बच्चों और उनके पिता की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह दुर्घटना सुबह बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में हुई, जब एक कार नियंत्रण खोकर डिवाइडर को पार कर गई और विपरीत दिशा से आ रहे टेंपो ट्रैवलर से टकरा गयी। बांगरमऊ के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अरविंद कुमार ने कहा, सुबह करीब साढ़े पांच बजे पुलिस को दुर्घटना की जानकारी मिली।

आगरा से लखनऊ जा रही एक सेंट्रो कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर सामने से आ रहे टेंपो ट्रैवलर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी की टेंपो ट्रैवलर पलट गया। उन्होंने बताया कि इस हादसे में कार सवार एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गयी जबकि टेंपो ट्रैवलर में सवार यात्री मामूली रूप से घायल हुए हैं। सीओ ने बताया कि मृतकों की पहचान राघवेंद्र सिंह कुशवाह (36), उनके पांच साल के बेटे श्रेष्ठ और उनकी डेढ़ साल की बेटी के रूप में हुई है।

योगी को महाकुंभ के दौरान मारे गए लोगों के परिवारों को मुआवजा देना चाहिए : ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महाकुंभ के दौरान भगदड़ में कई लोगों की मौत होने का आरोप लगाते हुए मांग की कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार पीड़ितों के परिवारों के लिए घोषित मुआवजा तत्काल जारी करे। बनर्जी ने इस दावे पर भी सवाल उठाया कि इस वर्ष महाकुंभ मेला 144 वर्षों के अंतराल के बाद हो रहा है तथा उन्होंने विशेषज्ञों से इस दावे की सत्यता की जांच करने का आग्रह किया। बनर्जी ने यहां राज्य सचिवालय में संवाददाताओं से कहा, मैं उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग करती हूं कि चूंकि उन्होंने कुंभ मेले में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की है, इसलिए उन्हें तत्काल यह राशि जारी करनी चाहिए। उत्तर प्रदेश सरकार ने कुंभ मेले के दौरान भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की थी।

सरकारी प्रोत्साहनों से मध्यप्रदेश को पर्यटन क्षेत्र में सबसे अधिक निवेश पाने में मदद मिलेगी: गजेंद्र सिंह शेखावत

भोपाल। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दिए जा रहे प्रोत्साहनों से आने वाले वर्षों में राज्य को पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र से सबसे अधिक निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी। राज्य के वैश्विक निवेशक सम्मेलन इन्वेस्ट मध्यप्रदेश को संबोधित करते हुए पर्यटन मंत्री ने कहा कि आध्यात्मिक केंद्रों से लेकर पहाड़ी इलाकों तक के सुरम्य स्थलों से समृद्ध सूबे में पर्यटकों की आकांक्षाएं पूरी करने की क्षमता है।

कमजोर वर्गों के अरमानों का मजाक उड़ाता है सबका साथ, सबका विकास का नारा : खरगे

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यक समुदायों के बच्चों की छात्रवृत्ति के लाभार्थियों की संख्या में कथित गिरावट को लेकर मंगलवार को आरोप लगाया कि सबका साथ, सबका विकास का नारा कमजोर वर्गों के अरमानों का मजाक उड़ाता है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक चार्ट साझा किया जिसमें उल्लेख है कि एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक बच्चों के लिए छात्रवृत्ति के लाभार्थियों में भारी गिरावट आई है।

खरगे ने एक्स पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित एक पोस्ट में कहा, नरेन्द्र मोदी जी, देश के एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं की छात्रवृत्तियों को आपकी सरकार ने हथियाने का काम किया है। उन्होंने दावा किया कि ये शर्मनाक सरकारी आँकड़े बताते हैं कि सभी वजीफों में मोदी सरकार ने लाभार्थियों की संख्या में भारी कटौती तो की है, साथ ही औसतन साल-दर-साल 25 प्रतिशत फंड भी कम खर्च किया है।

खरगे ने सवाल किया कि जब तक देश के कमजोर वर्ग के छात्रों को अवसर नहीं मिलेगा, उनके हुनर को प्रोत्साहन नहीं मिलेगा, तब तक हम अपने देश के युवाओं के लिए नौकरियां कैसे बढ़ा पाएंगे? उन्होंने आरोप लगाया, आपका सबका साथ, सबका विकास का नारा, रोजाना कमजोर वर्गों के अरमानों का मजाक उड़ाता है।

नकारात्मकता चरम पर हो तो गरिमा का ख्याल न करते हुए मानसिकता शब्दों में प्रकट होती है: अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम लिए बिना उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अशोभनीय कथन बताते हैं कि नकारात्मकता चरम पर हो तो देश, काल, स्थान की गरिमा का ख़्याल न करते हुए मानसिकता शब्दों के रूप में प्रकट होती है। सपा प्रमुख यादव ने सोमवार की रात अपने आधिकारिक एक्स खाते पर एक पोस्ट में कहा लेकिन महाकुंभ में जिन्होंने अपनों को तलाशा, उन्हें हमेशा के लिए खो गए अपने परिजन का नाम न तो मृतकों की सूची में मिला और न ही खोया-पाया के रजिस्टर में। इसी पोस्ट में उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने महाकुंभ में राजनीतिक अवसरवाद को तलाशा और उनको आत्म प्रचार का माध्यम मिला, लेकिन उन्होंने अपनी नैतिकता, सत्यनिष्ठा और मानवीय संवेदनाओं को खो दिया और वाणी पर संतुलन को भी। यादव ने आगे कहा अशोभनीय कथन बताते हैं कि नकारात्मकता चरम पर हो तो देश, काल, स्थान की गरिमा का ख़्याल न करते हुए मानसिकता शब्दों के रूप में प्रकट होती है। सपा प्रमुख ने कहा कि महाकुंभ जैसे पावन पर्व के संबंध में बोलते समय शब्दों का चयन, इस अवसर के मान और प्रतिष्ठा के अनुकूल होना चाहिए।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा महाकुंभ में कई बार जाकर भी जिनका वैचारिक उद्धार नहीं हुआ, उनके पाप और पतन की सीमा भला कौन नाप सकता है। ऐसे कथनों से जिन सुधीजनों को ठेस पहुँची है, उनसे निवेदन है कि ऐसे लोगों के प्रति सहानुभूति की भावना रखें न कि आक्रोश की। ह्रसन्मति दे भगवान! सोमवार को उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था, कुंभ में जिसने जो तलाशा, उसे वही मिला।

जमीन के बदले नौकरी मामले में लालू यादव को लगा झटका, बेटी और तेज प्रताप को भी कोर्ट ने किया तलब

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे तेज प्रताप यादव और बेटी हेमा यादव को जमीन के बदले नौकरी 'घोटाले' से जुड़े सीबीआई मामले में तलब किया। राउज एवेन्यू कोर्ट ने लालू के छोटे बेटे और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को भी नया समन जारी किया और उन्हें 11 मार्च को पेश होने के लिए कहा। अदालत ने भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई की अंतिम आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के बाद समन जारी किया। एजेंसी ने मामले में 30 सरकारी अधिकारियों सहित 78 लोगों को नामित किया है। ईडी द्वारा जांच किए जा रहे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू यादव और उनके दोनों बेटों को पहले ही जमानत मिल चुकी है। कथित घोटाला 2004 और 2009 के बीच केंद्रीय रेल मंत्री के रूप में लालू प्रसाद के कार्यकाल का है। सीबीआई का मामला मध्य रेलवे में ग्रुप डी की नौकरियों में नियुक्तियों के बदले राजद प्रमुख और उनके परिवार के सदस्यों को सस्ते दरों पर जमीन के कथित हस्तांतरण से संबंधित है। सीबीआई ने मई 2022 में लालू, उनके बेटे-बेटियों और पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के खिलाफ मामला दर्ज किया। लालू प्रसाद ने रविवार को विवादित बयान देते हुए महाकुंभ को अर्थहीन करार दिया और नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ से हुई लोगों की मौत के लिए रेलवे को जिम्मेदार ठहराया। लालू ने कहा, बहुत दुखद घटना घटी है... हम सब लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। यह रेलवे की गलती है। रेलवे के कुप्रबंधन और लापरवाही की वजह से इतने लोगों की मौत हुई है। इस घटना के बाद केंद्रीय रेल मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए।

आप विधायक अमानतुल्लाह खान को राहत, पुलिस पर हमला मामले में कोर्ट से मिली अग्रिम जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने लोक सेवकों के काम में बाधा डालने से जुड़े एक मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्लाह खान को मंगलवार को अग्रिम जमानत दे दी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस शर्त पर उनकी जमानत मंजूर की कि वह 25,000 रुपये के बांड और इतनी ही राशि की जमानत राशि जमा करेंगे। दिल्ली पुलिस ने 10 फरवरी को जामिया नगर इलाके में हुई एक घटना को लेकर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था। उन पर हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी के जामिया नगर में दिल्ली पुलिस टीम पर हुए हमले को लेकर मामला दर्ज किया गया था। खान, जो आधिकारिक कर्तव्यों में बाधा डालने के आरोपों पर कानूनी परेशानी का सामना कर रहे थे, को गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा मिली, जिससे उन्हें तत्काल हिरासत से राहत मिली। हालांकि, राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया और कानूनी कार्यवाही के तहत उन्हें जांच में शामिल होने के लिए कहा गया है। दिल्ली पुलिस ने खान से पूछताछ करने और यह पता लगाने के लिए उनकी हिरासत मांगी थी कि क्या वह भी कथित हमले के समय घटनास्थल पर मौजूद थे। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और गवाहों के बयान भी अदालत के रिकॉर्ड पर रखे। दिल्ली पुलिस ने 10 फरवरी को हुई घटना के संबंध में ओखला से विधायक खान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी और आरोप लगाया था कि उन्होंने भीड़ का नेतृत्व किया और हत्या के प्रयास के एक मामले में आरोपी एवं भगोड़े अपराधी की हिरासत से भागने में मदद की। पुलिस ने कहा कि घटना उस समय हुई जब दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने शबाज खान नामक व्यक्ति को गिरफ्तार करने का प्रयास किया।

वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद, भारत का तीव्र विकास निश्चित है: प्रधानमंत्री

दिल्ली, (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असम के गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 निवेश एवं अवसंरचना शिखर सम्मेलन 2025 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए श्री मोदी ने कहा कि पूर्वी भारत और पूर्वोत्तर भारत आज भविष्य की एक नई यात्रा पर निकल रहे हैं और एडवांटेज असम, असम की अविश्वसनीय क्षमता और प्रगति को दुनिया के साथ जोड़ने की एक बड़ी पहल है। उन्होंने कहा कि इतिहास भारत की समृद्धि में पूर्वी भारत की प्रमुख भूमिका का साक्षी है। प्रधानमंत्री ने आशा जताते हुए कहा कि आज जब हम विकसित भारत की ओर बढ़ रहे हैं तो इस दिशा में पूर्वी भारत और पूर्वोत्तर अपनी वास्तविक क्षमता प्रदर्शित करेंगे उन्होंने कहा कि एडवांटेज असम उसी भावना का प्रतिनिधित्व करता है। प्रधानमंत्री ने इस भव्य कार्यक्रम के आयोजन के लिए असम सरकार और मुख्यमंत्री को बधाई दी। उन्होंने 2013 के अपने शब्दों का भी स्मरण किया, जब उन्होंने कहा था कि वह समय दूर नहीं जब ए फॉर असम आदर्श बन जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद, विशेषज्ञ एक बात पर एकमत हैं: भारत का तेज विकास। उन्होंने कहा कि आज का भारत इस शताब्दी के अगले 25 वर्षों के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया को भारत की तेजी से कुशल और नवोन्मेषी बनती युवा आबादी पर बहुत भरोसा है। उन्होंने भारत के नव-मध्यम वर्ग में बढ़ते आत्मविश्वास का भी उल्लेख किया, जो नई आकांक्षाओं के साथ निर्धनता से उबर रहा है। राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत निरंतरता का समर्थन करने वाले भारत के 140 करोड़ लोगों पर दुनिया के भरोसे को रेखांकित करते हुए, श्री मोदी ने भारत के शासन का उल?लेख किया जो सुधारों को लागू करना जारी रखे हुए है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि भारत अपनी स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत कर रहा है और विभिन्न वैश्विक क्षेत्रों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है। उन्होंने पूर्वी एशिया के साथ मजबूत संपर्क और नए भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे का भी उल्लेख किया, यह नए अवसरों को लेकर आ रहा है।

असम में उपस्थित जनसमूह द्वारा भारत में बढ़ते वैश्विक विश्वास की चर्चा करते हुए, श्री मोदी ने कहा कि भारत के विकास में असम का योगदान निरंतर रूप से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि एडवांटेज असम शिखर सम्मेलन का पहला संस्करण 2018 में आयोजित किया गया था, उस समय असम की अर्थव्यवस्था का मूल्य 2.75 लाख करोड़ रुपये था। आज, असम लगभग 6 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बन चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के नेतृत्व में असम की अर्थव्यवस्था केवल छह वर्षों में दोगुनी हो गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह केंद्र और राज्य में उनकी सरकारों का दोहरा प्रभाव है। उन्होंने कहा कि असम में कई निवेशों ने इसे असीमित संभावनाओं वाले राज्य में बदल दिया है। प्रधानमंत्री ने उल?लेख किया कि असम सरकार शिक्षा, कौशल विकास और बेहतर निवेश वातावरण बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने हाल के वर्षों में कनेक्टिविटी से संबंधित बुनियादी ढांचे पर व्यापक स्तर पर कार्य किया है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि 2014 से पहले, ब्रह्मपुत्र नदी पर केवल तीन सेतु थे, जिनका निर्माण 70 वर्षों में बनाया गया था। हालांकि, पिछले 10 वर्षों में चार नए सेतुओं का निर्माण किया गया है। इनमें से एक सेतु का नाम भारत रत्न भूपेन हजारिका के नाम पर रखा गया है। श्री मोदी ने कहा कि 2009 से 2014 के बीच असम को औसतन 2,100 करोड़ रुपये का रेल बजट मिला था, लेकिन उनकी सरकार ने असम के रेल बजट को चार गुना से अधिक बढ़ाकर 10,000 करोड़ रुपये कर दिया। उन्होंने कहा कि असम में 60 से अधिक रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है और पूर्वोत्तर में पहली सेमी हाई-स्पीड ट्रेन अब गुवाहाटी और न्यू-जलपाईगुड़ी के बीच शुरू हो गई है।असम में हवाई संपर्क के तेजी से विस्तार का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 तक केवल सात मार्गों पर उड़ानें संचालित होती थीं, लेकिन अब लगभग 30 मार्गों पर उड़ानें हैं।

गांधी मैदान में हम के दलित समागम में शिरकत करेंगे मुख्यमंत्री : संतोष सुमन

पटना। राजधानी पटना के गांधी मैदान में 28 फरवरी को हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के दलित समागम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शिरकत करेंगे। 12 स्ट्रैंड रोड में पार्टी की ओर से आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार सरकार के मंत्री डा संतोष कुमार सुमन, प्रदेश अध्यक्ष टेकारी विधायक डा अनिल कुमार, हम के मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता श्याम सुन्दर शरण ने दी।

मंत्री डा संतोष सुमन ने कहा कि गांधी मैदान में दलित समागम में महाजुटान होने जा रहा है। पूरे प्रदेश से लाखों लोग आ रहे हैं,यह एक ऐसा कार्यक्रम है जिसमें गरीब दलित गरीब समाज के लोग आ रहे हैं, समाज के पिछड़े गरीब लोग आकर समागम में अपने अधिकारों की बात करेंगे। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा दलितों को सरकार द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं के बारे में जागरूकता प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाएगी. राष्ट्रीय अध्यक्ष डा संतोष सुमन ने कहा कि पार्टी की ओर से आयोजित समागम शक्ति प्रदर्शन नहीं है। चुनाव आने वाला है , ऐसे में उन्हें राजनीतिक रूप से सक्रिय बना कर एन डी ए को मजबूत बनाएगे। समागम में गरीब दलित जनता की भागीदारी और संख्या हम को मजबूती देगी। इस रैली के माध्यम से दलित अधिकारों पर बातचीत होगी. उनहोंने एनडीए के सभी घटक दलों को रैली में आने का आग्रह किया है। मंत्री सन्तोष सुमन ने कहा कि जिस तरह से एन डी ए सरकार केन्द्र और राज्य में जनता की सेवा में का काम कर रही है, हमें जनता का पूरा समर्थन मिला है और मिलेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री ने दलित समागम में आने का आश्वासन देकर अपना समर्थन दिया हैं.मंत्री डा संतोष सुमन ने कहा कि जंगलराज के लोगों ने बिहार को बर्बाद कर दिया है। एन डी ए अलायन्स 243 सीटों पर तैयारी चल रही है। इस बार चुनाव में गरीब दलित समाज के लोग महागठबंधन का सफाया कर देंगे. प्रेस वार्ता में कौशलेन्द्र दाँगी, राजेश्वर मांझी, राजेश रंजन, फैज सिद्दीकी, आकाश कुमार आदि लोग भी शामिल रहे।

चंदन सिंह जद(यू) में हुए शामिल

पटना। एकीकृत लोक जनशक्ति पार्टी से अपनी सियासी सफर की शुरूआत करने वाले युवा नेता चंदन सिंह ने आज जद(यू) का दामन थाम लिया। इसके पूर्व वे राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी में प्रदेश मुख्य प्रवक्ता थे। आज पटना स्थित जद(यू) के प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में जद(यू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई तथा पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानपूर्वक उन्हें जदयू परिवार में शामिल कर लिए जाने की विधिवत घोषणा की। इस दौरान पूरा हॉल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए जिंदाबाद के नारे से गूंज रहा था। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने विश्वास व्यक्त किया कि चंदन सिंह जैसे युवा एवं तेजतर्रार नेता की प्रतिभा का लाभ पार्टी को मिलेगा। उन्होंने कहा कि श्री चंदन सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नीतियों एवं न्याय के साथ विकास की उनकी शैली से प्रभावित होकर जद(यू) की सदस्यता ग्रहण की है। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि चंदन सिंह युवा एवं ऊजार्वान नेता है तथा ये मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से खासे प्रभावित रहे हैं अब उनकी मेहनत का लाभ जद(यू) को मिलेगा। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं मुख्य प्रवक्ता सहित अन्य बरिष्ट नेताओ के विश्वास को शिरोधार्य करते हुए चन्दन सिंह ने भरोसा जताया की वे इस विश्वास को टूटने नहीं देंगे` साथ ही अपनी क्षमता का शतप्रतिशत अपनी पार्टी को देते हुए मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में सरकार की उपलब्धि को जन-जन तक पहुंचाएगे` उन्होंने कहा कि राजनीति में कदम रखते समय ही उनका मिशन था बिहार का पूर्ण विकास और इस दिशा में मुख्यमंत्री के असाधारण और सफल भूमिका ने उन्हें जद(यू) परिवार से जुड़ने को प्रेरित किया। इससे पूर्व अपने सैकडों समर्थको के साथ चन्दन सिंह जद(यू) की सदस्यता ग्रहण करने प्रदेश जद(यू) कार्यालय पहुचे।

हम सभी का सुंदर कुम्हरार बने : वंदना कुमारी

कुम्हरार विधानसभा क्षेत्र से जन सुराज की दावेदार प्रत्याशी वंदना कुमारी ने वार्ड 33 में किया जन संवाद

पटना। हम सभी का सुंदर कुम्हरार बने और इसके लिए हम सभी मिलकर काम करें। एक भावना, एक मत और एक ध्येय के साथ काम करना है। इसी मकसद के साथ आप सभी के बीच मैं आई हूं। ये बातें कुम्हरार विधानसभा क्षेत्र से जन सुराज पार्टी की दावेदार प्रत्याशी वंदना कुमारी ने वार्ड 33 में जन संवाद के दौरान कही। नब्बे फीट रोड, पिलर नंबर 35 के पास आयोजित जन संवाद में समाज के प्रबुद्ध लोग उपस्थित रहे।

इनमें गुड्डू कुमार, नरेश प्रसाद रजक, विजय कुमार पाठक, मोहित कुमार, मुकेश सिंह, ललन रजक, महेंद्र प्रसाद व अन्य वार्ड निवासी उपस्थित रहे। जन संवाद के बाद हर घर जनसुराज अभियान के तहत वार्ड 33 के दुसाधी पकड़ी के मोहल्लों में स्थानीय घर, दुकान के लोगों के बीच जनसुराज के विजन को बताया गया।

साथ ही जनसुराज आयेगा 5 चीज लाएगा का ब्राडिंग का कार्य भी की. इसी बीच समूह में महिलाओं के बीच अलग अलग मीटिंग भी की गई। वंदना कुमारी ने कहा कि महिलाएं आज पुरुषों से किसी मामले में कम नहीं हैं। आपको अपनी ताकत को पहचानना होगा।

आप सभी सुंदर कुम्हरार के लिए अपना सहयोग करें। अंत में वार्ड क्षेत्र में जन सुराज का सदस्यता अभियान दुसाधी पकड़ी, इंदिरा नगर, आरएमएस कॉलोनी, 90 फीट रोड के मकानों में चलाया गया।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत कचरा प्रसंस्करण के लिए 139 नगर निकायों को दी गयी 100 करोड़ की राशि, आवश्यकता अनुसार बढ़ायी जायेगी: नितिन नवीन

पटना। बिहार के नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन जी के आदेश अपरांत विभाग द्वारा मंगलवार को स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के कार्यान्वयन के लिए 100 करोड़ की राशि की स्वीकृत प्रदान की गयी। इस राशि के जरिये 139 नगर निकायों में सॉलिड वेस्ट के प्रोसेसिंग एवं सैनिटरी लैंडफिलिंग का कार्य किया जायेगा। मंत्री जी द्वारा कहा गया है कि आवश्यकता अनुसार राशि को बढ़ाया भी जायेगा। नगर विकास एवं आवास विभाग जल्द प्रदेश को कूड़े के अंबार से निजात दिलाएगा। मंत्री जी ने कहा कि विभाग द्वारा वैज्ञानिक तरीके से कचरे के प्रबंधन एवं निस्तारण के लिए लगातार काम किया जा रहा है। अलग-अलग योजनाओं के जरिये गिले और सूखे कचरे का प्रसंस्करण कर उससे आने वाली राशि से नगर निकायों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का काम किया जायेगा। विभाग 3फ पर काम कर रहा है, इसमें Reduce, Reuse और Recycle शामिल है। आगे उन्होंने कहा कि 139 नगर निकायों को यह राशि उपलब्ध कराई जा रही है। जल्द ही अन्य नगर निकायों को भी राशि उपलब्ध कराई जायेगी।

मंत्री जी ने कहा कि इस राशि से प्रसंस्करण में सूखे कचरे के प्रबंधन के लिए मेटेरियल रिकवरी फैसिलिटी(एमआरएफ) और रिफ्यूज्ड डिराइव्ड फ्यूल (आरडीएफ) अपनाया जाएगा। वहीं, गीले कचरे के प्रबंधन के लिए बायोमिथेनेशन संयंत्र तथा कंपोस्ट प्लांट और बचे हुए कचरे के लिए वैज्ञानिक लैंडफिल विधि अपनाई जाएगी। कई नगर निकायों में सैनिटरी लैंडफिलिंग के लिए जगह का चयन हो गया है, वहीं कई निकायों में जगह का चयन कर इस कार्य को किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य शहर को स्वच्छ बनाने के साथ-साथ वेस्ट टू वेल्थ की राह पर कार्य करना भी है। पानी का ग्राउंड लेवल ठीक रहे, शहरों में स्वच्छता बढ़े, पर्यावरण शुद्ध हो इस ओर केंद्र और राज्य सरकार दोनों ही लगातार कार्य कर रही है। कई नगर निकायों में इसका रिजल्ट दिखने को भी मिल रहा है। फिलहाल हमारी प्राथमिकता स्वच्छता अभियान के जरिये जल्द कूड़े के ढेर का निरस्तीकरण करना है।

संक्षिप्त समाचार

राजद में चापलूसी करने की लगी है होड़ : प्रभाकर मिश्र

पटना। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने राजद नेताओं पर हमला करते हुए कहा कि चापलूसी करने से कोई नेता नहीं बन जाता। चाहे राजनीतिक पार्टी हो या कोई और जगह, चापलूसों की कोई औकात नहीं होती और न ही चापलूसी करने वाले किसी का भला कर सकते हैं। राजद की जो दुर्दशा हुई है, उसकी बड़ी वजह पार्टी में चापलूसी के लिए मची होड़ है । श्री मिश्र ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि हवाबाजी राजद की फितरत है। इस हवाबाजी से राजद हवा में उड़ जाएगा। राजद नेता बिना सिर-पैर की बातें कर अपने नौंवी फेल आका को खुश रखने की कवायद में जुटे रहते हैं। ...और अपनी अज्ञानता के लिए मशहूर उनके आका भी झूठी प्रशंसा सुनकर हर्ष के अतिरेक पर चले जाते हैं। राजद के कुछ नकारा नेताओं ने झूठी प्रशंसा और चापलूसी करने लिए फेक वीडियो भी जारी कर रहे हैं। लेकिन, इससे राजद की दुर्गति नहीं दूर होने वाली। तेजस्वी यादव पूरी तरह एक्सपोज हो चुके हैं। राजद नेताओं को शर्म आनी चाहिए की एक नौंवी फेल और नौसिखिया के नेतृत्व में अपना भविष्य तलाश रहे हैं। लेकिन, यह चिरंतन सत्य है कि न तो राजद का कोई भविष्य है और न ही राजद नेताओं का। जल्दी ही राजद की नैया डूबने वाली है।

स्टेट हैंडलूम एक्सपो 2025 का सफल समापन

पटना। गांधी मैदान, पटना में आयोजित स्टेट हैंडलूम एक्सपो 2025 का आज सफल समापन हुआ। 10 फरवरी से 25 फरवरी 2025 तक चले इस एक्सपो में लगभग 1 करोड़ 15 लाख रुपए के हैंडलूम उत्पादों की बिक्री हुई। इस अवसर पर निदेशालय द्वारा मौजूद विभिन्न राज्यों से आये बुनकरों की खूब सराहना की गई एवं उनका मनोबल बढ़ाया गया। बिहार समेत उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर और अन्य राज्यों के बुनकरों और हस्तशिल्प कारीगरों ने अपने उत्कृष्ट उत्पादों का प्रदर्शन किया। इस एक्सपो का उद्देश्य बुनकरों को विपणन सहायता प्रदान करना और हस्तकरघा उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा देना था, जिसमें यह पूरी तरह सफल रहा। समापन समारोह में हस्तकरघा एवं रेशम निदेशालय द्वारा बताया गया कि स्टेट हैंडलूम एक्सपो 2025 ने बुनकरों को अपने उत्कृष्ट उत्पादों को ग्राहकों तक पहुँचाने का बेहतरीन मंच प्रदान किया। मेले की प्रतिक्रिया यह स्पष्ट करती है कि लोगों की रुचि हस्तकरघा उत्पादों में आज भी प्रबल है। यह एक्सपो हस्तकरघा उद्योग को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है। भविष्य में भी ऐसे आयोजन कर बुनकरों को सशक्त बनाने का प्रयास किया जाएगा। उद्योग विभाग ने बुनकरों और ग्राहकों की उत्साहजनक भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया और आगामी गया में आयोजित होने वाले स्टेट हैंडलूम एक्सपो में बुनकरों और खरीदारों को आमंत्रित किया।

अब अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों में भी जीविका दीदी की रसोई हुआ अनुबंध

पटना। बढ़ते क्रम और सेवा विस्तार के तहत जीविका दीदी की रसोई का संचालन अब बिहार राज्य के अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों में किया जाएगा। विद्यालयों में आवासन अवधि में विद्यार्थियों को दीदी की रसोई से जलपान एवं नास्ता के साथ ही विद्यार्थियों के लिए पोषक की आपूर्ति, विद्यालय परिसर की साफ-सफाई , वस्त्रों की धुलाई एवं विद्यालय की साफ-सफाई अब जीविका दीदियाँ करेंगी ' मंगलवार को इसके लिए विहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति , जीविका एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग , बिहार के बीच अनुबंध हुआ ' अनुबंध पर हस्ताक्षर श्री राजेश कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी, जीविका से एवं डा. आमिर आफाक अहमद फैजी, अपर सचिव सह निदेशक ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, बिहार ने किया ' इस अनुबंध के बाद तत्काल प्रभाव से अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय , दरभंगा एवं किशनगंज में जीविका दीदियाँ दीदी की रसोई, पोशाक आपूर्ति, वस्त्रों की धुलाई, परिसर की साफ-सफाई का कार्य शुरू कर देंगी ' यह पायलेट फेज के तौर पर संचालित होने जा रहा है।

बेहतर स्वास्थ्य की बुनियाद है स्तनपान, नवजात शिशु को जन्म के बाद एक घंटे के भीतर स्तनपान करना महत्वपूर्ण

पूर्णिया। बच्चों के सर्वांगीण मानसिक एवं शारीरिक विकास में स्तनपान की भूमिका अहम होती है। शिशु के लिए मां का दूध सर्वोत्तम आहार के साथ ही उसका मौलिक अधिकार भी है। जन्म के बाद नवजात शिशु को स्तनपान कराने से शिशु में बेहतर स्वास्थ्य और शारीरिक क्षमता का विकास होता है और बच्चा स्वास्थ्य और तंदुरुस्त रहता है।

सिविल सर्जन डॉ प्रमोद कुमार कनौजिया ने कहा कि माँ का दूध जहाँ शिशु को शारीरिक व मानसिक विकास प्रदान करता है वहीँ उसे डायरिया, निमोनिया और कुपोषण जैसी जानलेवा बिमारियों से बचाता भी है। जन्म के एक घंटे के भीतर नवजात को स्तनपान शुरू कराने से शिशु मृत्यु दर में 20 प्रतिशत तक की कमी लायी जा सकती है। छह माह तक शिशु को केवल स्तनपान कराने से दस्त और निमोनिया के खतरे में क्रमशः 11 प्रतिशत और 15 प्रतिशत कमी लायी जा सकती है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रसारित रिपोर्ट के अनुसार स्पष्ट किया जाता है कि अधिक समय तक स्तनपान करने वाले बच्चों की बुद्धि उन बच्चों की अपेक्षा तीन पॉइंट अधिक होती है, जिन्हें मां का दूध थोड़े समय के लिए मिलता है।

इसके अलावा स्तनपान स्तन कैंसर से होने वाली मौत को भी कम करता है। बच्चे के जन्म के एक घंटे के भीतर मां का गाढ़ा पीला दूध पिलाने से बच्चों के पोषण क्षमता का विकास होता है। नवजात शिशु को जन्म के बाद अगले छः माह तक केवल मां का दूध हीं पोषण के लिए दिया जाना चाहिए ताकि बच्चों का सम्पूर्ण विकास मौलिक रूप से हो सके और बच्चे स्वस्थ और तंदुरुस्त रह सकें।

नवजात शिशुओं के स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा माता के साथ पिता की जागरूकता पर बल दिया जाता है।

स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए अभिभावकों का सशक्तिकरण एक गतिविधि नहीं है बल्कि एक ऐसी प्रक्रिया है जो प्रसव पूर्व जांच के दौरान और शिशु के जन्म के समय अवश्य प्रदान की जानी चाहिए। माँ बच्चे को नियमित रूप से स्तनपान तभी कराती हैं जब उसे एक सक्षम माहौल और पिता, परिवार के साथ समुदायों से आवश्यक सहयोग प्राप्त होता है।

निकिता बनी जदयू के प्रदेश महासचिव

पटना, (संवाददाता)। पटना जिला के दनियांवा प्रखंड की जदयू नेत्री निकिता तिवारी को जदयू महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश महासचिव बनाया गया है। बिहार प्रदेश जदयू महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. भारती मेहता ने उनका मनोनयन किया। निकिता तिवारी ने कहा कि जिस पद की जिम्मेदारी पार्टी ने उन्हें दी है, उस पर सच्ची निष्ठा व लगन के साथ खरी उतरने का प्रयास करेंगी। उन्होंने इसके लिए सीएम नीतीश कुमार, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ डॉ. भारती मेहता के प्रति आभार जताया। आगे श्री तिवारी ने कहा कि नीतीश कुमार के विकास कार्यों को जन जनतक पहुंचाने व जनता की समस्याओं के समाधान हेतु हमेशा प्रयासरत रहूंगी।

महाशिवरात्रि महोत्सव आज, बम बम बोल रहा है पटना

पटना। महाशिवरात्रि पर इस बार पूरी राजधानी शिवमय नजर आएगी। देवों के देव महादेव की शक्ति के साथ शिवभक्तों की भक्ति का भी प्रदर्शन होगा। श्रीश्री महाशिवरात्रि महोत्सव शोभा यात्रा अभिनंदन समिति के तत्वावधान में बुधवार की शाम शहर के अलग-अलग मुहल्लों से गाजे-बाजे और मनोहारी झांकियों के साथ 32 शोभा यात्राएं निकलेंगी। सभी शोभा यात्राएं पहले से तय रूटों से होते हुए देर शाम खाजपुरा शिव मंदिर स्थित मुख्य समारोह स्थल पर पहुंचेंगी। यहां 60 फीट लंबे मुख्य मंच पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री, दोनों उप मुख्यमंत्री, केंद्र व राज्य सरकार के कई मंत्री और धमार्चार्य शोभा यात्राओं का अभिनंदन करेंगे। मुख्यमंत्री शाम 6 बजे और राज्यपाल 7.30 बजे पहुंचेंगे।

शोभा यात्रा मार्ग में बने तोरण द्वार, 20 स्थानों पर पुष्प वर्षा शोभा यात्रा अभिनंदन समिति के संयोजक सह विधायक डॉ. संजीव चौरसिया ने बताया कि महोत्सव की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शोभा यात्रा मार्ग में कई जगह तोरण द्वार बनाए गए हैं। 20 स्थानों पर पुष्प वर्षा और शरबत-पानी के स्टॉल लगाए गए हैं। शिवभक्तों, खासकर महिला श्रद्धालुओं में जबर्दस्त उत्साह है। शाम में खाजपुरा शिव मंदिर के पास हजारों भक्तों का रेला उमड़ेगा। श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो, इसके मद्देनजर उन्होंने पुलिस-प्रशासन से सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, साफ-सफाई और बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की अपील की है। बताया कि शोभा यात्रा में आए भक्तों को वापस घर पहुंचाने के लिए अभिनंदन समिति की ओर से बसों की व्यवस्था की गई है। मंदिर परिसर में ही महाप्रसाद के वितरण का इंतजाम किया गया है। समारोह स्थल पर तैयार तीन मंचों में मुख्य मंच पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री, दोनों उप मुख्यमंत्री, केंद्र व राज्य के कई मंत्री, धमार्चार्य और समाज के प्रबुद्ध जन शिव बारात झांकियों की आरती उतारेंगे। इसी मंच पर शोभा यात्रा समितियों को मोमेंटो, मेडल व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया जाएगा। दूसरे मंच पर भजन संध्या, तांडव नृत्य समेत अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे जबकि तीसरे मंच पर गंगा आरती की जाएगी। प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की शोभा यात्रा इस बार कंकड़बाग की जगह शेखपुरा स्थित लाइट हाउस सेवा केंद्र से निकलेगी जिसकी अगुवाई मुख्य संचालिका बीके संगीता बहन करेंगी। जीवंत झांकी में कैलाश पर्वत पर शिवलिंग का ध्यान करते महादेव दिखेंगे जिनकी जटा से जल का अविरल प्रवाह होता रहेगा। इस दौरान ब्रह्मकुमारी बहनें महाकुंभ में ज्ञान स्नान का संदेश देती दिखेंगी। खाजपुरा शिव मंदिर में सुबह 4 बजे महादेव की पूजा होगी। एक घंटे बाद 5 बजे मंदिर के पट आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। शाम 6 बजे तक जलाभिषेक होगा। इसके बाद मंदिर के पट बंद कर दिए जाएंगे। शाम 6 से 9 बजे तक साफ-सफाई की जाएगी। रात 9 बजे के बाद शृंगार, रुद्राभिषेक और शिव-पार्वती विवाह का कार्यक्रम है जो देर रात 12 बजे तक चलेगा। शिव विवाह की पूर्व संध्या पर गुरुवार को दीघा, कुर्जी, पटेल नगर, शास्त्रीनगर, गरभूचक, सहगड्डी, कौशलनगर, चितकोहरा, अनीसाबाद, सबजपुरा, एजी कॉलोनी, यारपुर के मंदिरों में देर रात तक भजन-कीर्तन का दौर चलता रहा। इस दौरान श्रद्धालु भी शिवभक्ति में डूबते-उतराते रहे।

एक साथ आना शुरूआत है, एक साथ बैठना प्रगति है, एक साथ काम करना सफलताः सीयूएसबी कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह

पटना। एक साथ आना शुरूआत है, एक साथ बैठना प्रगति है और एक साथ काम करना सफलता है१, उक्त वक्तव्य दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने डिबेटिंग प्रीमियर लीग (डीपीएल) 5.0 के उद्घाटन समारोह में दिया ` सीयूएसबी के स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस (एसएलजी) के द्वारा आयोजित डीपीएल 5.0 के उद्घाटन समारोह के अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति महोदय ने सहयोग और समग्र विकास विषय पर अपने विचार रखेह। उन्होंने समग्र विकास के चार स्तंभों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सर्वांगीण व्यक्तित्व के निर्माण में औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका है कुलपति प्रो. के. एन. सिंह ने प्रभावी संचार, समन्वय और भारत की अंतर्निहित शक्तियों- उसकी विविधता, लोकतंत्र और जनसांख्यिकी के महत्व को रेखांकित किया। अंत में उन्होंने आयोजकों को बधाई देते हुए नेतृत्व और बौद्धिक विकास को पोषित करने के लिए डीपीएल जैसे प्लेटफार्मों को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। जन सम्पर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि बहुप्रतीक्षित डिबेटिंग प्रीमियर लीग (डीपीएल) 5.0 का शुभारम्भ कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, एसएलजी के प्रमुख और डीन प्रो. अशोक कुमार, प्रो. पवन कुमार मिश्रा (डीएसडब्ल्यू), प्रो. प्रदीप कुमार दास संकाय समन्वयक डॉ. पल्लवी सिंह और अन्य संकाय सदस्यों तथा छात्रों की उपस्थिति में हुआ ` कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई और इसके बाद माननीय

कुलपति द्वारा ट्रॉफियों का भव्य अनावरण किया गया, जिससे प्रतिभाशाली वाद-विवादकताओं के बीच एक गहन और उत्तेजक प्रतियोगिता का मंच तैयार हो गया। उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए प्रो. अशोक कुमार ने आलोचनात्मक सोच और भागीदारी पूर्ण लोकतंत्र को बढ़ावा देने में वाद-विवाद के महत्व को रेखांकित किया। चर्चा और विचार-विमर्श के सार पर जोर देते हुए उन्होंने टिप्पणी की, ₹वाद-विवाद लोकतंत्र का दिल है; ज्ञान को सभी दिशाओं से आने दें।₹ उनके प्रेरक शब्द दर्शकों के साथ गूंज उठे, जिससे छात्रों को बौद्धिक प्रवचन में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया। संकाय समन्वयक डॉ. पल्लवी सिंह ने डिबेटिंग प्रीमियर लीग की विरासत पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे यह युवा दिमागों के लिए अपने तर्क कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक प्रतिष्ठित मंच के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने बताया कि डीपीएल के इस संस्करण में 24 टीमें शामिल हैं, जो बुद्धि और वाक्पटुता की लड़ाई में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं डॉ. सिंह ने बताया कि डीपीएल 5.0 का उद्देश्य प्रतिभागियों में विश्लेषणात्मक कौशल, स्पष्ट अभिव्यक्ति और रचनात्मक असहमति की भावना विकसित करना है। उद्घाटन सत्र का समापन डॉ. कुमारी नीतू द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ । इसके साथ ही डिबेटिंग प्रीमियर लीग 5.0 की आधिकारिक घोषणा कर दी गई, जिसमें अगले तीन दिनों तक टीमों के बीच रोमांचक बहस और विचारोत्तेजक तर्क देखने को मिलेगा।

दैनिक कर्मियो का 28 फरवरी को विधान सभा घेराव की तैयारी जोरों पर

पटना। दैनिक कर्मियो का स्थायीकरण, 26000 रुपया न्यूनतम वेतन, आउटसोर्सिंग की सम्मापित कर आऊटसोर्स कर्मियो का निकाय में सामन्जंन करने, एसीपी और पेंशन बकाया अन्तर्राशि के भुगतान पर लगाये गये रोक को हटाये जाने की माँग को लेकर बिहार लोकल बौडिज ईम्प्लॉयज संयुक्त संघर्ष मोरचा ने 28 फरवरी को बिहार विधान सभा के घेराव का आह्वान किया है।घेराव को सफल और धारदार बनाने हेतू मोर्चा के नेतृत्वकारी बिभिन्न नगर निगंम, नगर परिषद और नगर पंचायत में जनसंपर्क कर रहे हैं। इसी क्रम में आज पटना नगर निगम कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति एवम्-मोर्चा के प्रवक्ता जितेंद्र कुमार, संयोजक मँगल पासवान ने बांकीपुर अंचल के वार्ड नम्बर 36,38, 39, 40, 42और कंकड बाग अंचल के वार्ड 29, 32, 34, 35,और 44 में जनसंपर्क कर निगम्कमीयौ से पूरे संख्या बल के साथ घेराव में शामिल होने की अपील की।सभी कर्मियो ने कहा की ये उनके ही हक की लडाई है इसलिये इस घेराव में मजबूती के साथ शामिल होंगे।

पटना नगर निगम मे मोबलाइजर का कार्य कर रही महिलाओं को पाँच माह से वेतन नहीं मिलने पर भी समन्वय समिति के प्रतिनिधियों ने आक्रोश जाहिर करते हुए अविलंम्ब उनके वेतन भुगतान का माँग किया है। समन्वय समिति के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश सिंह,कार्यकारी अध्यक्ष रामयत्न प्रसाद संयोजक मँगल पासवान प्रवक्ता जितेंद्र कुमार ने कहा की आज से दो माह पूर्व ही समन्वय समिति के प्रतिनिधियों के द्वारा नगर आयुक्त के साथ बैठक मे इस सवाल को उठाया था।नगर आयुक्त ने उस समय दो से तीन दिन में मोबलाईजर को वेतन दे दिये जाने की बात कही थी, लेकिन उस बैठक के दो माह बीतने के बाद भी उन्हें वेतन नहीं मिला है।

28 मार्च के घेराव के बाद नगर आयुक्त के वादाखिलाफी को लेकर स्थानिय स्तर पर भी संघर्ष तेज किया जायेगा।मोर्चा की ओर से इण्डिया गठबन्धन के विधायको के साथ ही सत्ता पक्ष के विधायकों को भी माँग पत्र सौप इसे विधान सभा में उठाने का अपील मोर्चा की ओर से किया जा रहा है।

नित्यानन्द प्रसाद ने अभियंता प्रमुख-सह-विशेष सचिव, पीएचईडी का कार्यभार ग्रहण किया

पटना। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, बिहार के मुख्य अभियंता (असैनिक), पटना प्रक्षेत्र, नित्यानन्द प्रसाद ने अभियंता प्रमुख-सह-विशेष सचिव(मुख्यालय) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने सेवानिवृत्त हुए श्री मो० सादुल्लाह जावेद के स्थान पर यह जिम्मेदारी संभाली। कार्यभार ग्रहण करने के बाद श्री नित्यानन्द प्रसाद ने कहा कि विभाग द्वारा संचालित हर घर नल का जल योजना के अंतर्गत छूटे हुए टोलों में जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विभागीय मंत्री द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा किया जाएगा। साथ ही, जिन क्षेत्रों में पहले से जलापूर्ति हो रही है, वहां निर्बाध और निरंतर जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। श्री प्रसाद ने विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों से जनहित में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समर्पित भाव से कार्य करने का आग्रह किया। उनकी नियुक्ति से विभाग को उनके प्रशासनिक और तकनीकी अनुभव का लाभ मिलेगा, जिससे राज्य में पेयजल और स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं को और अधिक प्रभावी रूप से लागू किया जा सकेगा।

बिहार पुलिस सप्ताह के अंतर्गत नगर थाना में नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन

लोगों को नशा के प्रति किया गया जागरूक

साकेत रौशन - जहानाबाद

जहानाबाद। बिहार पुलिस सप्ताह के तहत नगर थाना में थानाध्यक्ष दिवाकर कुमार विश्वकर्मा के नेतृत्व में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मकसद लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था। इस कार्यक्रम में महर्षि विद्या पीठ, द विंग्स फाउंडेशन एकेडमी, किड्स गार्डन स्कूल, एन.बी किड्स, एम.पी. सी स्कूल के बच्चों ने भाग लेकर एक से बढ़ कर एक नशा के खिलाफ चित्र बना कर लोगों को नशा के प्रति जागरूक किया। छात्र छात्राओं ने शराब के दुष्प्रभाव के बारे में बताया साथ ही साथ लोगों को बताया कि शराब जो पिया उसका उजारा घर

परिवार के नारा भी लगाए। कम उम्र के बच्चों को स्मैक, गांजा व अन्य नशीली प्रदार्थ के सेवन से बचने के लिए जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में आए सभी छात्र छात्राओं को टॉफी एवं गुलाब के फूल देकर उनका स्वागत किया गया। इस मौके पर नगर थानाध्यक्ष दिवाकर कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि नशा सिर्फ व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। यह इंसान को उसकी जिम्मेदारियों से दूर कर देता है। जीवन में कई समस्याएं खड़ी करता है। इसलिए खुद भी नशे से बचें और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने यह भी कहा कि जिले को नशा मुक्त बनाना पुलिस का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम के उपरांत सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट एवं ट्रॉफी भी देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर डीएसपी ट्रैफिक नवनीत कुमार, इंस्पेक्टर किरण कुमारी एसआई प्रणव कुमार, माया कुमारी, सुमन कुमारी, सुरभि कुमारी, महर्षि विद्या पीठ के निदेशक साकेत रौशन, प्राचार्या सोनाली शर्मा, एन.बी.किड्स के प्राचार्य सपना पाठक, एम.पी.सी के डायरेक्टर प्रमोद कुमार, द विंग्स फाउंडेशन एकेडमी के प्राचार्य सोनू कुमार सिंह सहित कई अन्य लोग मौजूद मौजूद थे।

दानिश कैसर बने युवा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश महासचिव

पटना। लोजपा (रामविलास) के युवा प्रदेश अध्यक्ष वेद प्रकाश पाण्डेय ने अपने कमेटी का विस्तार करते हुए मुजफ्फरपुर निवासी दानिश कैसर को युवा लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश महासचिव मनोनीत किये।

पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि इनके मनोनयन पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सत्यानंद शर्मा, युवा के राष्ट्रीय महासचिव अनिल पासवान, प्रदेश संसदीय बोर्ड अध्यक्ष हुलास पांडेय, प्रदेश उपाध्यक्ष विष्णु पासवान , प्रदेश प्रवक्ता दिनेश पासवान, प्रदेश महासचिव रतन पासवान, संसदीय बोर्ड प्रदेश सचिव अंकित कुमार, युवा प्रधान महासचिव प्रकाश कुशवाहा, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष हर्ष चोपड़ा, युवा प्रदेश महासचिव शरणजीत पासवान,कुंदन सिंह आदि नेताओं ने हर्ष व्यक्त किया।

वरिष्ठ नेता विकास प्रसाद सिंह ने अभिनंदन एवं स्वागत करते प्रधानमंत्री का

जमुई, नवशक्ति (प्रभाकर कुमार)। विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता व देश के कर्मशील प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का अंग प्रदेश (भागलपुर) की धरती पर 24 फरवरी को जमुई भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री विकास प्रसाद सिंह जी अभिनंदन एवं स्वागत किये । श्री विकास ने कहा कि भागलपुर कि धरती से देश भर 9.80 करोड़ किसान भाइयों के खाते मे 2 हजार करोड़ की राशि को भेजे है, और बरौनी डेयरी की क्षमता बढ़ाने सहित अन्य योजनाओ का लोकार्पण किये ! मोदी के 11 वर्षो के कार्यकाल मे सबका साथ सबका विकास का जो प्रण किये है उसे लेकर तीव्र गति से आगे बढ़ रहे है।

शिक्षा ही सर्वोपरि धन हैं : उदय मांझी

पटना। फुलवारी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जमालुद्दीनचक पटना मे विद्यालय वार्षिक महोत्सव आयोजित कार्यक्रम में मुसहर भुइयां शोषित वंचित जन अधिकार जागृति चिंतन अभियान के संस्थापक और संचालक उदय मांझी राजद पूर्व विधायक फुलवारी पटना और पूर्व अध्यक्ष राज्य महादलित आयोग बिहार सरकार पटना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए इस कार्यक्रम और विद्यालय के प्राचार्य मो आफताब आलम निदेशक राजीव कुमार ने विद्यालय के बच्चों को मेडल देकर प्रोत्साहित किया इस कार्यक्रम में उदय मांझी ने कहा कि शिक्षा ही सर्वोपरि धन है शिक्षा ही गुप्त धन है इस लिए मैं अपने समाज मुसहर भुइयां समुदाय और दलित वस्तियों में भी कहता हूं कि आधी रोटी खाना है और बेटा बेटी को पढ़ना है मूर्ख रहना पाप है अनपढ़ रहना पाप है और शिक्षा ग्रहण करने से डॉ अब्दुल कलाम आजाद कअ र और कढ र एवं इ ढ र उ इत्यादि पास कर उच्च गुणवत्ता के साथ जीवन यापन कर सकते हो और अपने मां पिता का नाम रौशन कर सकते हो और विद्यालय परिवारों को बहुत बहुत धन्यवाद और बधाई दिए इस कार्यक्रम में मो कौशर खान सरपंच और मुखिया भी उपस्थित हुए।

हर घर नल का जल निश्चय : 70,343 प्राप्त शिकायतों में से 69,774 का किया गया सफलतापूर्वक समाधान

पटना। सरकार की महत्वकांक्षी योजना हर घर नल का जल के सतत अनुश्रवण हेतु लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा संचालित केंद्रीय शिकायत निवारण प्रकोष्ठ प्रणाली के माध्यम से ₹हर घर नल का जल₹ निश्चय अंतर्गत 99% से अधिक शिकायतों का सफलतापूर्वक समाधान कर लिया गया है । विभिन्न जिलों से उक्त प्रणाली के माध्यम से विभाग को जलापूर्ति संबंधी कुल 70,343 शिकायत प्राप्त हुई जिसमें से 69,774 शिकायतों का विभाग द्वारा सफलतापूर्वक समाधान कर निरंतर स्वच्छ जलापूर्त्ति शुरू कर दी गई है। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा निर्मित एवं संचालित योजना अंतर्गत कुल 31,585 शिकायत प्राप्त हुए जिसमें से 31,292 का निवारण कर लिया गया है। वही पंचायती राज विभाग से हस्तांतरित योजना अंतर्गत कुल 38,758 प्राप्त शिकायत में से 38,487 निवारण कर योजना को पूर्ण रूप से क्रियाशील कर लिया गया है। विभाग को प्राप्त शिकायतें विभिन्न माध्यमों जैसे व्हाट्सएप/एसएमएस, मोबाइल ऐप, जिला नियंत्रण कक्ष, वेब पोर्टल, ई-मेल एवं विभाग द्वारा जारी टोल-फ्री नंबर के माध्यम से दर्ज की गई हैं। इन सुविधाओं के माध्यम से हर घर नल का जल निश्चय के क्रियान्वयन में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। पिछले दो माह में कुल 15,722 शिकायतें दर्ज की गईं जो की अक्रियाशील थीं, जिनमें 14,295 शिकायतों का समाधान कर संबंधित जलापूर्ति योजनाओं को पूर्ण रूप से क्रियाशील कर दिया गया है।प्राप्त 15,722 शिकायतों में से 2,237 शिकायतें व्हाट्सएप के माध्यम से, 128 शिकायतें स्वच्छ नीर ऐप से, 4,297 शिकायतें जिला नियंत्रण कक्ष से, 4,083 शिकायतें वेब पोर्टल से, 466 शिकायतें ई-मेल से तथा 4,511 शिकायतें टोल-फ्री नंबर के माध्यम से प्राप्त हुईं। उल्लेखनीय है कि विभाग द्वारा एक सुदृढ़ शिकायत निवारण प्रणाली विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से आम नागरिक अपनी सुविधा के अनुसार दूरभाष, व्हाट्सएप या वेब पोर्टल के जरिए शिकायत दर्ज करा सकते हैं। विभाग द्वारा प्रत्येक शिकायत का समाधान एक निश्चित समय-सीमा के भीतर कर योजना को पूरी तरह क्रियाशील बनाया जाता है। प्राप्त शिकायतों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है, जिससे जलापूर्ति सेवाओं की निरंतरता बनी हुई है । समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु टोल-फ्री नंबर (1800-123-1121/1800-345-1121/155367), व्हाट्सएप (8544429024/8544429082) एवं 'स्वच्छ नीर' मोबाइल ऐप के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। निरंतर एवं निर्बाध जलापूर्ति के लिए त्रिस्तरीय शिकायत निवारण प्रणाली की व्यवस्था की गयी है। इस व्यवस्था से जलापूर्ति योजना के प्रति न सिर्फ समुदाय की सहभागिता बढ़ रही है बल्कि जलापूर्ति योजना के प्रति स्वामित्व की भावना भी आ रही है।

घर घर जाकर भौतिक सत्यापन करते हुए निर्वाचन विभाग, बिहार पटना द्वारा दिए गये

जमुई, नवशक्ति (प्रभाकर कुमार)। भारत निर्वाचन आयोग एवं निर्वाचन विभाग, बिहार पटना के निदेश के आलोक में एक जनवरी 2025 की अर्हता तिथि के आधार पर विगत 7 जनवरी को प्रकाशित मतदाता सूची में 90 या इससे अधिक उम्र के मतदाताओं का बी0एल0ओ0 द्वारा घर-घर जाकर भौतिक सत्यापन करते हुए निर्वाचन विभाग, बिहार पटना द्वारा उपल्ब्ध कराये गये एप्प के माध्यम से सत्यापन किया जाना था तथा मृत और स्थायी रुप से स्थानांतरित निर्वाचकों का नाम निर्वाचक सूची से विलोपित करने हेतु फार्म 7 एवं उम्र में संशोधन हेतु फार्म 8 भरा जाना था।उक्त निदेश के आलोक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह-जिला पदाधिकारी,श्रीमती अभिलाषा शर्मा,के सतत

पर्यवेक्षण में जमुई जिला अन्तर्गत चारों विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र यथा 240-सिकन्दरा (अ0 जा0) में 1038, 241-जमुई में 813, 242-झाझा में 1058 एवं 243-चकाई में 1440, अर्थात जमुई जिला अन्तर्गत 90 या इससे अधिक उम्र के कुल 4349 मतदाताओं का बी0एल0ओ0 द्वारा घर-घर जाकर भौतिक सत्यापन करते हुए फार्म 7 एवं फार्म 8 प्राप्त किया गया है।भौतिक सत्यापन के दौरान सिकन्दरा (अ0 जा0) विधान सभा में 353, जमुई विधान सभा में 267, झाझा विधान सभा में 422 एवं चकाई विधान सभा में 587 अर्थात कुल 1629 मृत ओर स्थायी रुप से स्थानांतरित निर्वाचकों का फार्म 7 भर कर निर्वाचक सूची से नाम विलोपित करने की कार्रवाई की जा रही है ।इसी प्रकार सिकन्दरा विधान सभा में 228, जमुई विधान सभा में 153, झाझा विधान सभा में 210 एवं चकाई विधान सभा में 171 अर्थात कुल 762 मतदातओं का उम्र में सुधार हेतु फार्म 8 भर कर निर्वाचक सूची में उम्र में सुधार करने की कार्रवाई की जा रही है।

बिहार के विकास पर सवाल उठाने वाले तेजस्वी को अपने माता-पिता के शासनकाल का देना चाहिए हिसाबः हिमराज राम

पटना। जद (यू) प्रदेश प्रवक्ता श्री हिमराज राम ने मीडिया में जारी बयान में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास पर सवाल उठाने से पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को अपने माता-पिता के शासनकाल के दौरान राज्य की बदहाली का हिसाब देना चाहिए।

पार्टी प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के शासनकाल के दौरान विकास के सभी पैमानों पर पिछड़े बिहार को मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने विकास के शिखर पर पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव के माता-पिता के शासनकाल के दौरान बिहार शिक्षा,स्वास्थ्य,कानून व्यवस्था,कृषि के क्षेत्र में पूरे देशभर में अंतिम पायदान पर था। लोग शाम होते ही घरों से बाहर निकलने में डरते थे, राज्य में कृषि की पैदावार नीचले स्तर पर थी। उन्होंने कहा लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के शासनकाल के दौरान राज्य में शिक्षा की बदहाली के चलते छात्र-छात्राओं का दूसरे राज्यों में पलायन हुआ राज्य में मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों की कम संख्या के चलते छात्र-छात्राओं को इन विषयों की पढ़ाई के लिए दूसरे राज्यों में जाना पड़ता था। वहीं आज मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के शासनकाल में हर जिले में इंजीनियरिंग कॉलेजों की स्थापना और मेडिकल कॉलेजों की संख्या में इजाफा के चलते इन विषयों की पढ़ाई करने वाले छात्रों को अब बिहार से बाहर नहीं जाना पड़ रहा है और वो यहीं रहकर शिक्षा हासिल कर

रहे हैं।

तेजस्वी यादव को नसीहत देते हुए उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता के शासनकाल में साढ़े चार रुपए में चरवाहा विद्यालय में बच्चों को चरवाहा बनने की शिक्षा दी जाती थी लेकिन आज मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के शासनकाल में महज 10 रुपए में इंजीनियरिंग और महज 5 रुपए में पॉलिटेक्निक की शिक्षा हासिल कर छात्र इंजीनियर कहला रहे हैं। लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के शासनकाल के दौरान बिहार की लचर स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि उस दौर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ना तो मरीजों को सही इलाज मिलता था, अस्पतालों में ना डॉक्टर थे और ना ही कोई सुविधा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज के लिए एक महीने में केवल 39 मरीज जाया करते थे जबकि आज मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के शासनकाल के दौरान वहां इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या 11 हजार तक पहुंच चुकी है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से सवाल पूछते हुए कहा कि उन्हें ये बताना चाहिए कि उनके माता-पिता के शासनकाल के दौरान राज्य में उद्योगों की क्या हालत थी? उस समय बिहार में उद्योगों के नाम पर अपहरण का उद्योग चलता था जहां फिरौती के लिए दिनदहाड़े लोगों का अपहरण किया जाता था और उनसे रुपया वसूला जाता था। अपराधियों के डर के चलते बिहार से बड़े पैमाने पर उद्योगपतियों का पलायन हो गया जिससे राज्य में नए उद्योग लगाने की बात तो दूर पुराने चल रहे उद्योगों की हालत खस्ता हो गई और वो बंद हो गए। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के शासनकाल में राज्य में कृषि की पैदावार बहुत कम थी। गांवों में जमीन विवाद के चलते किसानों ने खेती बंद कर दी थी और वो शहरों में पलायन कर गए थे। वहीं मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के शासनकाल में राज्य में भूमि सुधार कार्यक्रम लागू किए गए जिससे गांवों में भूमि विवादों में कमी आयी और किसान अपनी जमीन पर खेती करने लगे और आज राज्य कई कृषि उत्पादों में देशभर में शीर्ष पायदान पर है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को अपने माता-पिता लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी से ये सवाल पूछना चाहिए कि उनके शासनकाल के दौरान राज्य में कानून व्यवस्था की क्या हालत थी? शाम होते ही लोग घरों में दुबक जाते थे, लड़कियां घरों से बाहर निकलने में डरती थी और सरेआम हत्या, लूट और अपहरण की घटना आम थी। वहीं आज मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की सरकार ने लोगों के मन से अपराधियों को खौफ निकालने का काम किया और आज शाम हो,रात हो लोग आराम से घरों से बाहर निकलते हैं और घूमते फिरते हैं।

नव शक्ति समाचार पत्र मैं प्रकाशित सामग्री को मौलिक समझकर छापा जाता है। अतः कॉपीराइट संबंधी कोई कार्रवाई संपादक, प्रकाशन एवं मुद्रक पर नहीं की जा सकती है। दावा करने वाले रचनाकर और चित्रकार से संपर्क करें। समस्त विवादों का निपटारा पटना उच्च न्यायालय क्षेत्रान्तर्गत होगा। प्रधान कार्यालय: कृष्णा मार्केट, पहला तल्ला, निकट हड़ताली मोड़ पश्चिमी बोरिंग कैनाल रोड, पटना-800023 संपादक प्रकाशक - मुद्रक एवं स्वामी: जयप्रकाश चौधरी, कृष्णा मार्केट, पहला तल्ला, निकट हड़ताली मोड़, पश्चिमी बोरिंग कैनाल रोड, पटना द्वारा एसेन कम्यूटर, डा.एनी बेसेन्ट रोड, पटना-4 से मुर्दित। सम्पर्क नम्बर: 9473032029, 9939472461 ईमेल- navshakti2010@gmail.com RNI-BIHHIN/2012/43368

मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने कलरव 2025 के लिए आयोजित बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

पटना। बिहार सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा आयोजित राज्य पक्षी महोत्सव ₹कलरव 2025₹ का आयोजन नागी नकटी पक्षी अभयारण्य में 27 और 28 फरवरी को किया जा रहा है। इसी क्रम में आज अरण्य भवन, पटना से बाइक रैली को वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली नागी पक्षी अभयारण्य, जमुई तक जाएगी और पक्षी संरक्षण, जैव विविधता तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने का कार्य करेगी।

मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने इस अवसर पर कहा कि ₹कलरव महोत्सव₹ का उद्देश्य बिहार की समृद्ध जैव विविधता और पक्षी संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि बिहार में पक्षियों की अनेक दुर्लभ प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनका संरक्षण करना हमारी जिम्मेदारी है। इस तरह के आयोजन से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि पर्यटन को भी नया आयाम मिलेगा। आइए, हम सभी मिलकर प्रकृति और पक्षियों की इस अद्भुत दुनिया को संरक्षित करने में अपना योगदान दें! उक्त अवसर पर वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की भी भागीदारी रही। मौके पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री प्रभात कुमार गुप्ता, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास) श्री अरविंदर सिंह, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कार्य नि. प्रशिक्षण एवं विस्तार) श्री अभय कुमार द्विवेदी, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण निदेशक श्री अभय कुमार, वन्यप्राणी अंचल पटना के वन संरक्षक श्री सत्यजीत कुमार, संजय गाँधी जैविक उद्यान पटना के निदेशक श्री हेमंत पाटिल और मुख्य वन संरक्षक (आईटी) श्री एस. चंद्रशेखर सहित कई अधिकारी और वन्यजीव प्रेमी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि राज्य पक्षी महोत्सव ₹कलरव 2025₹ राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जो प्रदेश में पक्षी संरक्षण को प्रोत्साहित करती है। इस आयोजन में विशेषज्ञों, प्रकृति प्रेमियों और शोधकताओं को भी आमंत्रित किया गया है। यह एक पर्यावरण हितैषी और पर्यटन को बढ़ावा देने वाला महोत्सव है।

सज्जन कुमार को बड़ा झटका, 1984 सिख दंगों में बाप-बेटे को जिंदा जलाने के मामले में आजीवन कारावास की सजा

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 1984 के सिख विरोधी दंगों, विशेष रूप से सरस्वती विहार हिंसा मामले में उनकी भूमिका के लिए पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह कुमार को दी गई दूसरी आजीवन कारावास की सजा है, जो पहले से ही दिल्ली छावनी दंगा मामले में शामिल होने के लिए सजा काट रहे हैं। पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को 12 फरवरी को दंगा, गैरकानूनी सभा और हत्या आदि से संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया था।इससे पहले सिख विरोधी दंगों से संबंधित हत्या के एक मामले में अभियोजन पक्ष ने कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार के लिए मृत्युदंड की अपील की और इसे दुर्लभतम अपराध करार दिया थ। कुमार फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की एक नवंबर 1984 को हत्या कर दी गयी थी। हत्या के सिलसिले में पंजाबी बाग थाने ने मामला दर्ज किया था लेकिन बाद में एक विशेष जांच दल ने जांच की जिम्मेदारी ले ली थी। अदालत ने 16 दिसंबर 2021 को कुमार के खिलाफ आरोप तय किए और उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला पाया। कांग्रेस के उस समय के प्रभावशाली नेता और सांसद रहे कुमार वर्ष 1984 में एक और दो नवंबर को दिल्ली की पालम कॉलोनी में पांच लोगों की हत्या के मामले में आरोपी थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस मामले में उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी और सजा को चुनौती देने वाली उनकी अपील सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद, घातक हथियारों से लैस भीड़ ने बड़े पैमाने पर लूटपाट एवं आगजनी की थी और सिख समुदाय के लोगों की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया था। इस मामले में जसवंत सिंह की पत्नी ने शिकायत दर्ज कराई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार भीड़ ने घर में घुसकर सिंह एवं उनके बेटे की हत्या कर दी थी और सामान लूटकर घर को आग के हवाले कर दिया था।

बासुकीनाथ मंदिर सभागार में उपयुक्त ने की महाशिवरात्रि को लेकर बैठक

दुमका /प्रियव्रत झा। उपायुक्त अंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में बासुकीनाथ मंदिर सभागार में महाशिवरात्रि को लेकर बैठक की गई। इस बैठक में उपायुक्त द्वारा महाशिवरात्रि के दौरान प्रतिनियुक्ति दंडाधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिया गया। कहा कि महाशिवरात्रि का भव्य आयोजन हो रहा है। आयोजन में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं होनी चाहिए। हमारा हर संभव प्रयास रहेगा कि पूजा-अर्चना और शिव पार्वती विवाह में शामिल होने के लिए बाबा बासुकीनाथ धाम आने वाले श्रद्धालु यहां से एक अच्छा संदेश लेकर जाएं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा की भी समुचित व्यवस्था की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। महाशिवरात्रि के मौके पर बाबा बासुकीनाथ धाम आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर कई निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त, आईडीए निदेशक, सहायक समाहर्ता सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

मैट्रिक व इंटरमीडिएट की परीक्षा में अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई: उपायुक्त

निर्मल महाराज/ बोकारो। झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक), रांची द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक इंटर परीक्षा 2025 को लेकर विभिन्न सोशल मीडिया पर प्रश्न पत्र लिक होने से संबंधित अफवाह फैलाने को लेकर उपायुक्त विजया जाधव ने विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए संबंधितों पदाधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिया है।

उपायुक्त ने कहा कि झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक), रांची द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक इंटर परीक्षा 2025 का संचालन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बोकारो जिला में पूरी सतर्कता के साथ संचालित हो रही है। जिले के 63 परीक्षा केंद्रों पर मैट्रिक एवं 44 परीक्षा केंद्रों पर इंटर की परीक्षा हो रही है। परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिले में कुल 107 दंडाधिकारी, 18 गश्ती दंडाधिकारी एवं पुलिस जवान आदि को प्रतिनियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि परीक्षा को लेकर सोशल मीडिया में कुछ अफवाह फैलाने का मामला जिला प्रशासन के संज्ञान में आया है, साईबर सेल एवं प्रशासनिक पदाधिकारी द्वारा जाँच कर कार्रवाई की जा रही है।जैक से प्राप्त प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका को कोषागार एवं संबंधित बैंक के बज्रगृह में सुरक्षित रखा गया है। बज्रगृह में 24 घंटा सीसीटीवी सहित सुरक्षा बल प्रतिनियुक्त रहते हैं। परीक्षा की तिथि को निर्धारित विषय का प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका गश्ती दल दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी के द्वारा विडियोग्राफी सीसीटीवी कैमरा की निगरानी में केन्द्राधीक्षक को उपलब्ध कराया जाता है। वहीं, परीक्षा शुरू होने के पूर्व प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, केंद्राधीक्षक, 2 वीक्षकों एवं 2 छात्रों की उपस्थिति में प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका को खोला जाता है।पुनः परीक्षा समाप्ति के उपरांत गश्तीदल दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी के द्वारा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका कोषागार, बोकारो तेनुघाट के बज्रगृह में सुरक्षित रखा जाता है। जैक के पदाधिकारी कर्मी सुरक्षा के साथ ले जाते है। जिले में साईबर सेल नियमित रूप से कार्यशील है, सोशल मीडिया पर पूरी तरह से नजर बनाए हुए है। साईबर सेल बोकारो का कंट्रोल रूम का संपर्क नम्बर 9608015891 है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक का अफवाह फैलाना एक संगीन अपराध है, आरोपी के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता के सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही झारखण्ड अधिविद्य परीक्षा नियमावली में निहित प्रावधान के तहत भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने परीक्षार्थी से अपील किया है कि वह किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान नहीं दें। अधय्यन कर पूरी तैयारी के साथ अपनी परीक्षा में शामिल हो, परीक्षा का संचालन नियम के अनुरूप कदाचार मुक्त माहौल में संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है। उन्होंने जिले के सभी आमजनों से अपील है कि वार्षिक माध्यमिक परीक्षा को लेकर किसी प्रकार का अफवाह न फैलाएं, और यदि किसी भी प्रकार के अफवाह या अन्य जानकारी प्राप्त हो तो उसे सोशल मीडिया पर शेयर न करें। सोशल मीडिया में इस तरह की भ्रांतियां उजागर होने पर साईबर सेल बोकारो पुलिस द्वारा तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी जिलेवासियों से अपील है कि संज्ञान में आने पर जिला नियंत्रण कक्ष 06542 223475/247891, डायल 100,पुलिस प्रशासनिक पदाधिकारी को अविलंब सूचित कर जिम्मेवार नागरिक के कर्तव्य को निभाएं।

वाहन जांच अभियान चलाकर डीटीओ ने वसूला 3 .50 लाख जुर्माना

बोकारो। राष्ट्रीय राजमार्ग 23 पर बालीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत बालीडीह टॉल प्लाजा पर परिवहन विभाग द्वारा चलाएं गए सघन वाहन जांच अभियान के दौरान 15 वाहनों से 3.50 लाख का जूमार्ना वसूल किया गया। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना सेजवलकर द्वारा जांच अभियान चलाकर मोटरवाहन अधिनियम के विभिन्न नियमों के उल्लंघन में कुल 15 वाहन से 3.50 लाख रुपए जुमार्ना वसूला गया। डीटीओ के नेतृत्व में अभियान के तहत कुल 37 वाहनों की जांच की गई, जिसमें रिफ्लेक्टिव टेप, ओवर लोडिंग एवं टैक्स फेल होने को लेकर 15 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए जुमार्ना वसूला गया।

जेपी नड्डा से मिले नीतीश कुमार, विधानसभा चुनाव को लेकर हुई चर्चा

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को पटना के राजकीय अतिथिशाला में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने बिहार में एनडीए की भविष्य की रणनीति पर चर्चा की क्योंकि राज्य में इस साल चुनाव होने हैं। कुमार राज्य अतिथि गृह पहुंचे, जहां केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री शहर पहुंचने के बाद ठहरे थे। बैठक के दौरान राज्य के दोनों उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और सम्राट चौधरी भी बैठक में मौजूद रहे।

नड्डा सोमवार को राज्य के दो दिवसीय दौरे पर बिहार पहुंचे। शाम को वह गया एयरपोर्ट पहुंचे, जहां बीजेपी कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। हालांकि उन्होंने कोई सवाल नहीं उठाया लेकिन प्रदेश भाजपा नेताओं ने कहा कि वह निजी यात्रा पर गया में थे। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण का प्रभार संभाल रहे नड्डा पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक समारोह में भी शामिल हो सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि पटना के बापू सभागार में होने वाले कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अलावा दुनिया भर से बड़ी संख्या में डॉक्टर भी शामिल होंगे। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को विपक्षी राजद-कांग्रेस गठबंधन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनसे पहले सत्ता में रहे लोगों ने मुसलमानों के वोट तो मांगे लेकिन वे सांप्रदायिक झड़पों को रोकने में विफल रहे। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के अध्यक्ष कुमार ने यह टिप्पणी एक समारोह में की, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर बाबा बासुकीनाथ को चढाया गया लावा कासा

दुमका / प्रियव्रत झा। देवाधिदेव महादेव की नगरी बासुकीनाथ धाम में महाशिवरात्रि के पूर्व संध्या पर मंडप पूजन एवं काशा लावा भुजने के धार्मिक रस्मों की परंपरा निभाई गई । इस धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम में मुख्य विदकरी शोखी कुंवर अपने परिवार संग लावा कासा भुजने का पुनीत कार्य किया। सम्पूर्ण धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम के दौरान एसडीएम कौशल किशोर एवं सपत्नीक यजमान बने बीडीओ सह मंदिर प्रभारी कुंदन भगत मौजूद रहे । शिव भक्त श्रद्धालु मंदिर परिसर में ढोल नगाड़े गाजे बजे के साथ नाचते देखे गए तो महिलाएं मांगलिक गीत गा रही थी। अनुष्ठान के समापन पर पुरे विधि विधान के साथ पवित्र कासा और लावा को महादेव और पार्वती को चढ़ाया गया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कासा और लावा मुख्य विदकरी शोखी कुंवर के घर से लाने की पौराणिक परंपरा रही है। जिसे शिव और पार्वती को विधि पूर्वक समर्पित किया जाता है। मौके पर पंडा धर्म रक्षिणी सभा के अध्यक्ष मनोज पंडा कुंदन झा सारंग बाबा दामोदर पांडा मंदिर प्रबंधक सुभाष राव लेखापाल मदन झा सहित सैकड़ो भोले के भक्ति मौजूद थे।

भाजपा ने मुख्यमंत्री आवास को ढाहने के मामले पर बोला हमला, उठाए सवाल

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा कि झारखंड सरकार पूर्व के अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार से बहुत ज्यादा प्रेरित रहती है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के संबंध भी अति मधुर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में अपने लिए शीश महल बनाना शुरू किया था। अब सूचनाओं आ रही है कि झारखंड में भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इसी का अनुसरण करने जा रहे हैं। आधिकारिक मुख्यमंत्री आवास जिसमें पिछले ढाई दशकों में अनेक मुख्यमंत्री ने निवास किया,उसको भवन निर्माण प्रमंडल - 1 ने टेंडर निकालकर जमींदोज कर दिया। पूरे तरीके से भवन को ढाहने का काम जारी है। प्रतुल ने कहा यह ऐतिहासिक धरोहर थी क्योंकि झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री से लेकर अनेक मुख्यमंत्री ने यहां निवास किया था।

प्रतुल ने कहा अब विभाग की लगातार उच्च स्तरीय बैठकें हो रही है ताकि नए भवन का डीपीआर बन सके। जो जानकारियां मिल रही है उस के अनुसार दिल्ली के शीश महल के तर्ज पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए एक सभी आधुनिक सुख सुविधा से लैस शीश महल बनाने पर चर्चा चल रही है।

प्रतुल ने कहा कि दिल्ली की तर्ज में अनेक भवनों को हेमंत सोरेन जी ने मिलकर मुख्यमंत्री आवास बना दिया है। प्रतुल ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास के परिसर में स्थित हनुमान मंदिर के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। हनुमान मंदिर की भव्यता पर जरा सभी आंच नहीं आना चाहिए।सरकार को यह बात सुनिश्चित करनी चाहिए क्योंकि यह सनातनियों के आस्था से जुड़ा प्रश्न है। प्रतुल ने कहा जिस प्रदेश में डेढ़ वर्षों में एक भी अबुआ आवास का गृह प्रवेश नहीं हुआ। जहां आज भी बड़ी संख्या में लोगों के सर पर छत नहीं है।ऐसे राज्य में इस तरह की अगर फिजूल खर्ची करने की सोची जा रही है तो यह प्रदेश के आदिवासी मूल निवासी जनता के साथ क्रूर मजाक होगा। प्रतुल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और सत्ताधारी गठबंधन से मांग की कि वो रांची में बनने वाले शीश महल को लेकर स्थिति स्पष्ट करें।

सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा डॉ सुनील सिंह की एमएलसी सदस्यता बहाली सच और सच्चाई की जीत है: एजाज अहमद

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने राजद के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉक्टर सुनील कुमार सिंह को माननीय सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा एमएलसी की सदस्यता बहाल किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सच और सच्चाई की जीत है। इन्होंने कहा कि सच परेशान हो सकता है लेकिन उसे हराया नहीं जा सकता यह बात इस फैसले से साबित हो गया। इन्होंने कहा कि डॉ सुनील कुमार सिंह ने धैर्य ,साहस और आत्मबल से डबल इंजन सरकार को बता दिया की जो सच्चाई पर होता है, उसे जीत अवश्य मिलती है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने सुनील सिंह जी के हक में फैसला देकर यह बता दिया की न्यायपालिका न्यायियक प्रक्रिया में सच और सच्चाई को देखती है और उसी के आधार पर फैसला करती है। श्री सुनील सिंह की सदस्यता बहाली पर राजद के प्रदेश सचिव श्री जेम्स कुमार यादव, अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के श्री उपेंद्र चंद्रवंशी सहित अन्य नेताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस फैसले से लोगों का न्यायपालिका पर विश्वास और मजबूत होगा।

समाजवादी कब से आंबेडकर का सम्मान करने लगे: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए पूछा, समाजवादियों ने आंबेडकर का सम्मान कब से करना शुरू कर दिया? उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी (सपा) ने अपने कार्यकाल में कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नाम बदल दिया और आंबेडकर स्मारकों को तोड़कर विवाह भवन बनाने की योजना बनायी। राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान राज्य विधानसभा में अपने भाषण में मुख्यमंत्री ने अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पार्टी पर निशाना साधते हुए उस पर भीमराव आंबेडकर, कांशीराम और अन्य दलित नेताओं के योगदान की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, आप समाजवादी कब से आंबेडकर को सम्मान देने लगे? आपने तो कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नाम बदल दिया था। 2012 में जब आपकी सरकार बनी थी, तब तत्कालीन मुख्यमंत्री ने कहा था कि आंबेडकर जी और अन्य सामाजिक न्याय के महापुरुषों के नाम पर बने स्मारकों को तोड़कर विवाह भवन बना देंगे। उन्होंने सपा सरकार के दौरान हुए गेस्ट हाउस कांड और महिलाओं के प्रति पार्टी के रवैये की भी तीखी आलोचना की। दो जून 1995 को, जब बसपा सुप्रीमो मायावती ने मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस लेने की घोषणा की, तो सपा नेता और कार्यकर्ता गेस्ट हाउस पहुंचे, जहां वह अपनी पार्टी के नेताओं से मिलने वाली थीं और कथित तौर पर उन पर हमला कर दिया। मायावती को भाजपा नेताओं ने गेस्ट हाउस से बचाया था। बाद में राज्यपाल ने मुलायम सिंह यादव सरकार को बर्खास्त कर दिया और मायावती को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, सपा के कार्य को दुनिया ने अपनी आंखों से देखा है। उसको कहीं से भी क्लीन चिट मिल जाए फिर भी वे अपने पाप छुटकारा नहीं पा सकते हैं। सपा के इस आचरण से तो हर सभ्य समाज हमेशा व्यथित रहा है। आदित्यनाथ ने कहा कि यह वर्ष भारत के संविधान का अमृत महोत्सव वर्ष है। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी 1950 को लागू हुए संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर बाबा साहब भीमराव आंबेडकर और अन्य संविधान निमार्ताओं को श्रद्धांजलि देने का अवसर पर भी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पंच तीर्थों का निर्माण किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं, जिनमें लखनऊ में आंबेडकर के नाम पर एक अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण और संविधान दिवस समारोह का आयोजन शामिल है। उन्होंने कहा कि अन्य प्रमुख पहल में बहराइच में महाराजा सुहेलदेव का विजय स्तम्भ स्मारक और श्रृंगवेरपुर में भगवान राम के साथ निषाद राज गुहा की 56 फुट ऊंची प्रतिमा का निर्माण शामिल है, जो एक कॉरिडोर परियोजना का हिस्सा है। उन्होंने अहिल्याबाई होल्कर के सम्मान में एक योजना और संत कबीर और संत रविदास के लिए समर्पित कार्यक्रमों सहित आगामी परियोजनाओं की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वर्ष इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि काकोरी ट्रेन एक्शन का यह महत्वपूर्ण शताब्दी वर्ष भी है। उन्होंने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन देश की स्वाधीनता का एक महत्वपूर्ण अध्याय रहा है और यह उन सभी क्रांतिकारियों के प्रति सम्मान का भाव व्यक्त करने का अवसर है।

आदित्यनाथ ने कहा, हमारी सरकार इस पूरे आयोजन को पूरी भव्यता के साथ आयोजित करने के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि पहली बार 24 जनवरी 2018 को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस मनाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना शुरू की, जिसने उत्तर प्रदेश के पारंपरिक उत्पादों को नई पहचान दी। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि काला नमक चावल, जिसे भगवान बुद्ध का प्रसाद कहा जाता है, को सरकार ने विशेष पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि ह्यएक जिला एक उत्पादह्न ने उत्तर प्रदेश के निर्यात को बढ़ाया। अयोध्या के विकास को लेकर विपक्ष की आलोचना का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पहले वहां कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई थी लेकिन अब प्रतिदिन 8-10 लाख श्रद्धालु यहां आते हैं। उन्होंने यह भी